**तोड़-फोड़ करने वाले पाकिस्तानियों द्वारा असम में रेलगाड़ियों का उड़ाया जाना**

217 **श्री हुकम चन्द कछवाय**
**श्री हरी सिंह**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या अगस्त, 1971 में तोड़-फोड़ करने वाले पाकिस्तानियों द्वारा 'माइन्स' बिछा कर असम में दो रेलगाड़ियों को उड़ाया गया था;

(ख) भारतीय रेलों को कितनी हानि हुई और इन घटनाओं में कितने व्यक्ति मरे; और

(ग) भविष्य में ऐसी गतिविधियों की पुनरावृत्ति को रोकने के लिये सरकार का क्या कार्यवाही करने का विचार है ?

**रेल मंत्री (श्री के० हनुमन्तैया)** : (क) जी हां, एक मालगाड़ी थी और दूसरी एक एम्बुलेंस सड़क यान।

(ख) रेलवे को 49,000 रु० की हानि हुई। कोई व्यक्ति नहीं मरा।

(ग) जो उपाय किये गये, वे इस प्रकार हैं:—

1. गश्त का काम तेज करने के उद्देश्य से राज्य सरकारों से उच्च स्तरीय बैठक;

2. इंजीनियरी विभाग के गैंगमैनों द्वारा सुरक्षा गश्त लगाया जाना;

3. मेल खण्डों में सवारीगाड़ियों में सामान की जांच करना;

4. रेलवे संस्थापनाओं पर पहरा लगाना;

5. राज्य पुलिस तथा ग्राम गश्ती दलों द्वारा रेल पथ पर गश्त लगाना;

6. सशस्त्र पुलिस और होम गार्डों द्वारा महत्वपूर्ण पुलों पर पहरा लगाना;

7. रेल पथ के आस-पास के ग्रामीणों में पाक एजेंटों द्वारा तोड़-फोड़ की कार्रवाइयों की रोकथाम के लिए जागृति उत्पन्न करना;

8 तोड़-फोड़ की कार्रवाइयों का समय पर पता लगाने के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों को पुरस्कृत करना;

9. इस खण्ड पर सेना द्वारा रात में मर्च-लाइट से गश्त लगाना;

10. लोक आदेश अधिनियम, 1947 के असम अनुरक्षण के अन्तर्गत रेल पथ के दोनों ओर 3 मीटर तक सुरक्षित क्षेत्र घोषित करना; और

11. पाकिस्तानी क्षेत्र की सीमा से लगे रेल पथ के पास के दो गावों पर दण्डात्मक जुर्माना करना।

**रेलवे के कार्यकारी व्यय में वृद्धि**

218. **श्री जगन्नाथ राव जोशी** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या रेलवे के कार्यकारी व्यय में हाल ही में लगातार वृद्धि हुई है; और

(ख) यदि हां, तो इन खर्चों को कम करने के लिये सरकार का क्या कार्यवाही करने का विचार है ?

**रेल मंत्री (श्री के० हनुमन्तैया)** : (क) जी हां।

(ख) एक विवरण संलग्न है।

**विवरण**

संचालन व्यय में वृद्धि मुख्यतः 'कर्मचारी', 'मरम्मत और अनुरक्षण' और 'ईंधन' के अन्तर्गत रही है। वेतन और भत्ते के वेतन-